अपने ही प्रतिष्ठानों से उत्तीर्ण हुए शिक्षुओं को प्राथमिकता देते हैं। तथापि शिक्षुओं के प्रशिक्षण को रोजगार अवसरों के अनुरूप बनाने की दृष्टि से सरकार का शिक्षुओं के प्रशिक्षण की योजना का पुनरीक्षण करने का प्रस्ताव है।

अंडमान तथा निकोबार में खनिजों की खोज

5961. श्री राम जीवन सिंह : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अंडमान तथा निकोबार द्वीप-समूह मे खनिज संसाधनो की खोज तथा विकास के बारे मे सरकार के क्या प्रस्ताव हैं ; और

(ख) क्या लक्षदवीप मे भी खनिज संसाधनों की खोज करने का विचार है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अडमान और निकोबार द्वीप समूह मे खनिजो की खोज जारी है और वर्तमान क्षेत्रयत सत्र (1977-78) के कार्यक्रम मे प्लेटिनम, कोबाल्ट, निकिल, क्रोमियम आदि के लिए अल्ट्रामैफिक चट्टानों का सर्वेक्षण, जलज मिट्टी की खोज तथा तांबा खनिजीकरण के लिए समेकित खोज शामिल हैं। ये खोज कार्य अभी प्रारम्भिक अवस्था में है और जब तक खोज का काम पूरा नही हो जाता तथा निक्षेपों की आर्थिक उपादेयता की पुष्टि नही हो जाती तब तक इन खनिजो के समुपयोजन के बारे मे कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

(ख) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने लक्षद्वीप के सभी बड़े समुद्रतालो में समन्वेषण किया है जिसके फलस्वरूप एक मीटर की गहराई पर चूनेदार मिट्टी के लगभग 2880 लाख टन भंडार होने का अनुमान लगाया गया है।

डायल घुमाकर सीधे टेलीफोन करने की सुविधा प्राप्त उत्तर प्रदेश के नगर

5962. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के उन नगरों के क्या नाम हैं जहां पर सरकार का विचार वर्ष 1978-79 में डायल घुमाकर सीधे टेलीफोन करने की सुविधा उपलब्ध कराने का है ; और

(ख) लखनऊ से कितने जिला मुख्यालयों को जोड़ दिया गया है तथा और कितने जिलों को जोड़ दिये जाने की आशा है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) गोरखपुर और सीतापुर।

(ख) पाच जिला मुख्यालयों अर्थात् इलाहाबाद, फैजाबाद, कानपुर, उन्नाव, और वाराणसी को उपभोक्ता दूरभाष डायलिंग सेवा के जरिये लखनऊ से जोड़ा जा चुका है। आशा है कि चार और जिला मुख्यालयो अर्थात आगरा, गोरखपुर, रायबरेली और सीतापुर को वर्ष 1978-79 के दौरान लखनऊ से जोड दिया जाएगा।

ग्रामों में तारों का वितरण

5963. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के अधिकाश ग्रामीण क्षेत्रों में तारो के वितरण मे सामान्य पत्रों के वितरण से अधिक समय लगता है ;

(ख) यदि हां तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) तारो के महत्व को देखते हुए सरकार ने उन्हें शीघ्र वितरित कराने के लिये क्या कार्यवाही की है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) :(क)जी नही :

(ख) प्रश्न ही नही उठता ।

(ग) (i) जब कोई तार पाने वाला व्यक्ति किसी तारघर के मुक्त वितरण क्षेत्र के बाहर रहता है, और यदि तार भेजने वाले ने उस तार की डिलीवरी विशेष सदेशवाहक के जरिए करने के लिए ढुलाई शुल्क अदा न किया हो, तब वह तार (भारतीय तार नियम 84 के अनुसार) पाने वाले के पास डाक से भेज दिया जाता है ।

तारो का इस प्रकार निपटारा कम से कम किया जाए, इस के लिए देहाती इलाको में अधिक से अधिक तारघर खोले जा रहे हैं ।

(ii) जहां कही यातायात की दृष्टि से औचित्य सिद्ध होता है, मार्ग मे लगने वाला समय कम करने के लिए सीधे मार्गों की व्यवस्था की जा रही है ।

उत्तर प्रदेश में काटे गये टैलीफोन कनेक्शनो को बहाल किया जाना

5964. **श्री गंगा भक्त सिंह** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या आपात स्थिति के दौरान राजनीतिक कारणो मे काटे गय टैलीफोन कनेक्शनो को अब तक बलहा नही किया गया है ;

(ख) यदि हा, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) उत्तर प्रदेश मे ऐसे टैलीफोन कनेक्शनो की संख्या क्या है जिन्हे अभी बहाल किया जाना है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) से (ग). उत्तर प्रदेश मे केवल एक टैलीफोन कनेक्शन को छोड कर बाकी सभी टैलीफोन कनेक्शन दुबारा चालू कर दिए गए हैं । संबंधित पार्टी उपलब्ध नही है ।

दिल्ली मे ईंट के भट्टो में काम कर रहे बन्धुआ श्रमिक

5965. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि दिल्ली और इसके आस-पास 350 ईंट के भट्टो मे लगभग 50,000 श्रमिक बन्धुआ श्रमिको के रूप मे कार्य कर रहे है ,

(ख) क्या सरकार ने इस तथ्य की जांच कर ली है, और

(ग) यदि हा, तो उसका ब्यौरा क्या है और उन्हें मुक्त कराने के लिए क्या कार्यवाही की गयी है ?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) : (क) से (ग). दिल्ली प्रशासन ने, जिसका ध्यान इस मामले की ओर दिलाया गया था, सूचित किया है कि उनकी सूचना के अनुसार दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र मे बधित श्रमिको का कोई मामला नही है और न ही बधित श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 के उपबधो के उल्लघन की कोई सूचना मिली है ।

Visit of Vice-President of Korea

5966. SHRI G. M BANATWALLA:
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Vice-President of Democratic People's Republic of Korea